



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 188]

नई दिल्ली, शुक्रवार, मार्च 30, 1990/चैत्र 9, 1912

No. 188]

NEW DELHI, FRIDAY, MARCH 30, 1990/CHAITRA 9, 1912

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रचा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

उद्योग मंत्रालय
(औद्योगिक विकास विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 30 मार्च, 1990

का. आ. 276(अ)/18कक/आई. डी. आर. ए./90.—केंद्रीय सरकार ने भारत सरकार के भूतपूर्व औद्योगिक विकास मंत्रालय के आदेश सं. का. आ. 134(अ)/18कक/आई. डी. आर. ए./79, तारीख 13 मार्च 1979 द्वारा तथा उपांतरित आदेश सं. का. आ. 529(अ)/18कक/आई. डी. आर. ए./74, तारीख 6 सितम्बर 1974 द्वारा (जिसे इसमें हमने पश्चात उक्त आदेश कहा गया है) सचिव, बंद एवं रूग्ण उद्योग विभाग पश्चिम बंगाल सरकार को जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त प्राधिकृत व्यक्ति कहा गया है मिससे इंडिया रेलिंग एण्ड काटन मिल्स लिमिटेड, मीरमपुर, पश्चिम बंगाल का (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त औद्योगिक उपग्रह कहा गया है) तारीख 6 सितम्बर, 1974 से पांच वर्ष की अवधि के लिए प्रबंध ग्रहण करने के लिए प्राधिकृत किया था।

और देशी न्याय को यह राय थी कि लोकहित में यह समीचीन है कि उक्त अधिसूचित आदेश को उपर्युक्त पांच वर्ष के समाप्त होने के बाद प्रभावी बना रहना चाहिए और उसमें 31 मार्च, 1990 तक की,

जिसके अन्तर्गत वह तारीख भी है, प्रतिरिक्त अवधि के लिए इसे जारी रखने के लिए समय-समय पर निवेश जारी किए थे, (वेधिए भारत सरकार, उद्योग मंत्रालय, औद्योगिक विकास विभाग के आदेश

सं. का. आ. 512(अ)/18कक/आई. डी. आर. ए./79
तारीख 4 सितम्बर, 1979

सं. का. आ. 749 (अ)/18कक/आई. डी. आर. ए./80,
तारीख 5 सितम्बर, 1980

सं. का. आ. 684(अ)/18कक/आई. डी. आर. ए./81,
तारीख 4 सितम्बर, 1981

सं. का. आ. 125(अ)/18कक/आई. डी. आर. ए./82,
तारीख 5 मार्च, 1982

सं. का. आ. 648(अ)/18कक/आई. डी. आर. ए./82,
तारीख 4 सितम्बर, 1982

सं. का. आ. 158(अ)/18कक/आई. डी. आर. ए./83,
तारीख 4 मार्च, 1983

सं. का. आ. 386(अ)/18कक/आई. डी. आर. ए./83,
तारीख 31 मई, 1983

- सं. का. आ. 937(अ)/18कक/आई. डी. आर. ए./83,
तारीख 29 सितम्बर, 1983
- सं. का. आ. 470(अ)/18कक/आई. डी. आर. ए./84,
तारीख 28 जून 1984
- सं. का. आ. 947(अ)/18कक/आई. डी. आर. ए./84,
तारीख 18 दिसम्बर, 1984
- सं. का. आ. 257(अ)/18कक/आई. डी. आर. ए./85,
तारीख 28 मार्च, 1985
- सं. का. आ. 119(अ)/18कक/आई. डी. आर. ए./86,
तारीख 27 मार्च, 1985
- सं. का. आ. 268(अ)/18कक/आई. डी. आर. ए./87,
तारीख 30 मार्च, 1987
- सं. का. आ. 325 (अ)/18कक/आई. डी. आर. ए./88,
तारीख 30 मार्च, 1988 तथा
- सं. का. आ. 248(अ)/18कक/आई. डी. आर. ए./89,
तारीख 31 मार्च, 1989

और केन्द्रीय सरकार की राय है कि संवर्धित में यह समीचीन है कि उक्त औद्योगिक उपक्रम का प्रबंध उक्त प्राधिकृत व्यक्ति द्वारा 31 मार्च, 1991 तक की और अवधि के लिए रखा जाए ;

अतः केन्द्रीय सरकार उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18-कक की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह निदेश देती है कि उक्त आदेश 31 मार्च, 1991 तक जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है की और अवधि के लिए प्रभावी बना रहेगा।

[का. स. 2(14) 89-सी. यू. एस.]

एल. मानसिंह, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

ORDER

New Delhi, the 30th March, 1990

S.O. 276(E)|18AA|IDRA|90.—Whereas by the Order of the Government of India in the late Ministry of Industrial Development No. S.O. 529(E)|18AA|IDRA|74, dated the 6th September, 1974 as modified by the order No. S.O. 134(E)|18AA|IDRA|79, dated the 13th March, 1979 (hereinafter referred to as said Order), the Central Government had authorised the Secretary, Closed and Sick Industries Departments, Government of West Bengal, now called Secretary, Industrial Reconstruction Department, Government of West Bengal (hereinafter referred to as the said authorised person) to take over the management of Messers India Belting and Cotton Mills Limited, Sarampore, West Bengal (hereinafter referred to as the said industrial undertaking) for a period of five years from the 6th September, 1974;

And, whereas, the Central Government being of opinion that it is expedient in the public interest that the said Order should continue to have effect

after the expiry of period of five years aforesaid, had issued directions from time to time, for such continuance for a further period upto and inclusive of the 31st March, 1990 (vide Orders of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development)).

Nos. S.O. 512(E)|18AA|IDRA|79, dated the 4th September, 1979.

S.O. 749(E)|18AA|IDRA|80, dated the 5th September, 1980,

S.O. 684(E)|18AA|IDRA|81, dated the 4th September, 1981,

S.O. 125(E)|18AA|IDRA|82, dated the 5th March, 1982,

S.O. 648(E)|18AA|IDRA|82, dated the 4th September, 1982,

S.O. 158(E)|18AA|IDRA|83, dated the 4th March, 1983.

S.O. 386(E)|18AA|IDRA|83, dated the 31st May, 1983,

S.O. 987(E)|18AA|IDRA|83, dated the 29th December, 1983,

S.O. 470(E)|18AA|IDRA|84, dated the 28th June, 1984,

S.O. 947(E)|18AA|IDRA|84, dated the 18th December, 1984,

S.O. 257(E)|18AA|IDRA|85, dated the 28th March, 1985,

S.O. 119(E)|18AA|IDRA|86, dated the 27th March, 1986,

S.O. 268(E)|18AA|IDRA|87, dated the 30th March, 1987,

S.O. 325(E)|18AA|IDRA|88, dated the 30th March, 1988, and

S.O. 248(E)|18AA|IDRA|89, dated the 31st March, 1989.

And, whereas, the Central Government is of the opinion that it is expedient in the public interest that the management of the said industrial undertaking by the said authorised person should continue for a further period upto 31st March, 1991.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby directs that the said order shall continue to have effect for a further period upto and inclusive of 31st March, 1991.

[File No. 2(14)|80-CUS]

L. MANSINGH, Jt. Secy.